

साप्ताहिक मौसम		
दिन	अधिकतम	न्यूनतम
शुक्रवार	37°	28°
शनिवार	35°	26°
रविवार	36°	26°
सोमवार	35°	26°
मंगलवार	34°	27°
बुधवार	36°	27°
वोहरवार	35°	25°

*आंकड़े आईएमडी के अनुसार

Lic No : 933/ALC-4/LA/FN:1184

INNOVATIVE TECHNO INSTITUTE
CONSULTING DESIGN TRAINING
ISO CERTIFIED 2015 COMPANY

CONFUSED ABOUT CAREER!
Unsure of what to do after 10th/12th/Graduation?
Whether to Study in India or Abroad?

What should I do after 10th-Science, Commerce or Arts?
Should I consider Computer or Mechanical Engineering?
What is better for me - MBA in Marketing or MBA in Finance?
Should I pursue Chartered Accountancy or Law after 12th?
Do I have the aptitude for Architecture and Designing?

Get Career Guidance from our
Expert Career Counseling Team Free of Cost

E-mail : hr@innovativetechin.com • **Website :** www.innovativetechin.com • **FB/Innovativetechin** • **Contact :** 9317776662, 9317776663
REGIONAL OFFICE : S.C.O No. 10 Gopal Nagar, Near Batra Palace, Jal. **HEAD OFFICE :** S.C.O No. 21-22, Kuldip Lal Complex, Highway Plaza GT Road, Adjoining Lovely Professional University, Phagwara.

*T&C apply

ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली पहुंचेंगे जिनपिंग और पुतिन

नई दिल्ली. विश्व में बढ़ते व्यापारिक तनाव के बीच भारत में शनिवार से शुरू हो रहे दो दिवसीय ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए राष्ट्रपति शी जिनपिंग और व्लादिमीर पुतिन भारत आ रहे हैं। शिखर सम्मेलन की तैयारी को अंतिम रूप दिया जा रहा है। शीपें अधिकारियों ने वीरवार को कहा कि भारत ग्लोबल साउथ की मुख्य विकास प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने के लिए ब्रिक्स (ब्रिक्स) समूह को एक अहम और प्रमुख मंच के तौर पर आगे बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि वैश्विक व्यापार विवादों और भू-राजनीतिक बदलावों से पैदा हो रही आर्थिक चुनौतियों के बीच, 'हम खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा स्थिरता और मजबूत आपूर्ति श्रृंखला से जुड़ी प्रमुख कम्प्लेक्सिटीयों को दूर करने पर ध्यान दे रहे हैं।' 'ग्लोबल साउथ' से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, अल्प विकसित या अर्धविकसित के रूप में जाना जाता है। ये मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में स्थित हैं।



को लेकर ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच मतभेद बने हुए हैं। यह समूह आम सहमति के आधार पर काम करता है।

मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका से मिलकर बने ब्रिक्स का 2024 में विस्तार हुआ और इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात तथा सऊदी अरब शामिल हुए, जबकि इंडोनेशिया 2025 में इसमें शामिल हुआ। बेलारूस, बॉलीविया, कजाकिस्तान, यूक्रेन, मंगोलिया, नाजिरीया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम पिछले साल ब्रिक्स के साझेदार देश बने थे। ब्रिक्स एक प्रभावशाली समूह के तौर पर उभरा है क्योंकि यह दुनिया की 11 प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं को एक साथ लाता है, जो वैश्विक आबादी का लगभग 49.5 प्रतिशत, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) का लगभग 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार का लगभग 26 प्रतिशत हिस्सा हैं। इस समूह की अध्यक्षता के दौरान भारत का ध्यान चार मुख्य स्तंभों पर केंद्रित है: लचीलापन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता।

ईडी के सूरत कार्यालय ने 6.52 करोड़ की 17 अचल संपत्तियां की कुर्क

नई दिल्ली. प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के सूत्र सच-जोनल कार्यालय ने धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलआ) 2002 के तहत कार्रवाई करते हुए 8 सितंबर 2026 को दमन और पुनरागत के वलसाड में स्थित 17 अवल संपत्तियों को अस्थायी रूप से कुर्क किया है। इन संपत्तियों को कुल अनुमानित कीमत करीब 6.52 करोड़ रुपये है। यह कार्रवाई सुरेश जगुभाई पटेल और अन्य के खिलाफ चल रहे मामले में की गई है। ईडी ने दमन पुलिस, गुजरात पुलिस और मुंबई पुलिस द्वारा सुरेश पटेल उर्फ सुखा और उसके सहयोगियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर के आधार

पर अपनी जांच शुरू की थी।
इन मामलों में भ्रष्टाचार, अवैध
हथियावर रखने, हत्या, जबरन
वसूली, जालसाजी, पैसेपटोई
जालसाजी और कोपीराइट
उल्लंघन सहित विभिन्न अपराधों
के आरोप लगाए गए हैं। ईडी की
जांच में समाए आया कि सुरेश
जगुभाई पटेल ने दमन में स्कूप
कारोबार और परिवहन सेवाओं
के कारोबार में कथित तौर पर
अपना एकाधिकार स्थापित कर
लिया था। जांच के अनुसार, उसने
प्रतिष्ठानी कारोबारियों को हटाने
तथा धमकी, डराने-धमकाने,
बाहुबल और अपने आपराधिक
रिकार्ड से पैदा किए गए भय
के माध्यम से इस कारोबार पर
नियंत्रण कायम किया।

पुलिस ने कसी कमर, सुरक्षा में तैनात होंगे 15000 जवान

दिल्ली पुलिस ने ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के लिए बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की है, जिसके तहत राष्ट्रीय राजधानी में करीब 15,000 कर्मियों और अर्धसैनिक बलों की 200 कंपनियों को तैनात किया जाएगा। विशेष पुलिस आयुक्त (सुरक्षा प्रभाग) मनीष कुमार अग्रवाल ने कहा कि जनता को कम से कम असुविधा और गणमान्य व्यक्तियों के लिए अधिकतम सुरक्षा सुनिश्चित हो, इसके लिए व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। उन्होंने कहा कि हवाई अड्डे, होटलों और निर्धारित और स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था की गई है जहां गणमान्य व्यक्तियों का दौरा हो सकता है। अधिकारी ने कहा कि शिखर सम्मेलन के आयोजन स्थल भारत मंडप में संरक्षित एवं मजबूत उपायों के साथ बहुस्तरीय सुरक्षा व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि निर्बाध सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करने और गणमान्य व्यक्तियों की आवाजाही के दौरान समन्वय के लिए पड़ोसी राज्यों के साथ बैठकें भी की गई हैं। अग्रवाल ने कहा, खुफिया जानकारी को संश्लिष्ट एजेंसियों के साथ साझा किया जाएगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सुरक्षा तैयारियों के तहत सभी उपलब्ध सूचनाओं का विश्लेषण किया जा रहा है। अग्रवाल ने कहा कि बल शहर में सुरक्षा आवश्यकताओं और लोगों की दैनिक आवाजाही के बीच संतुलन बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 12 और 13 सितंबर को भारत मंडप में आयोजित होने वाला है।

पंजाब-यूएई के बीच मजबूत संबंध द्विपक्षीय व्यापार को देंगे बढ़ावा : अरोड़ा

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़



तलाशने, संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) स्थापित करने, निर्यात बढ़ाने और दीर्घकालिक परास्परिक लाभकारी व्यापारिक संबंध स्थापित करने में मदद मिल सके। अमन अरोड़ा ने कहा कि इसके परिणामस्वरूप ईंडियन बिजनेस एंड प्रोफेशनल कार्डर्स एसोसिएशन 'इन्वेस्ट पंजाब उद्योग-से-उद्योग समन्वय को तेज करने के लिए सहमत हुए। अमन अरोड़ा ने बताया कि 'इन्वेस्ट पंजाब' शांराजाह

के निर्माताओं, निर्यातकों और सेवा प्रदाताओं को पंजाब के संबंधित उद्योगों के साथ जोड़ने में सुविधा प्रदान करेगा, साथ ही यू.ए.ई. में व्यापारिक सभावनारों की तलाश करने वाली पंजाब की कंपनियों की भी मदद करेगा।

उद्योग मंत्री ने पंजाब के मजबूत औद्योगिक आधार, बेहतर उद्यमी इकोसिस्टम और उत्तर भारत में इसकी रणनीतिक स्थिति को प्रदर्शित किया।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भागवत मान के नेतृत्व वाला राज्य सरकार ने नियमों का पालन बनाकर, 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' को बढ़ावा देकर और निवेशकों को शुरू से अंत तक पेशेवर सुविधाएं प्रदान करके पंजाब को भारत के ससस्तत पसंदीदा निवेश स्थलों में र एक बनाने के लिए निर्णायक सुधार किए हैं। अमन अरोड़ा ने कहा कि पंजाब पारंपरिक निवेश प्रोत्साहन से आगम बढ़कर द्विपक्षीय व्यापारिक साझेदारी को बढ़ावा देने चाहता है, जिससे दोनों क्षेत्रों की कंपनियां विनिर्माण, निर्यात सेवाओं, प्रौद्योगिकी और अन्य उभरते क्षेत्रों में मिलकर काम कर सकें।

पूर्व मंत्री भगत चुनी लाल को नम आंखों से दी गई अंतिम विदाई

पूर्व मंत्री का सरकारी सम्मान के साथ अंतिम संस्कार, नेताओं और नागरिकों द्वारा श्रद्धांजलि अर्पित

• जालंधर ब्रीज. जालंधर

पंजाब के कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत के पिता पूर्व मंत्री चुनी लाल भगत (93 वर्ष) का आज सरकारी सम्मान के साथ मॉडल हाउस के रमशाना में अंतिम संस्कार किया जाएगा। यहां बुजुर्ग नेता को राजनीतिक नेताओं, सामाजिक प्रतिनिधियों और बड़ी संख्या में नागरिकों द्वारा नम आँखों से अंतिम विदाई दी गई। उनकी चिता को अग्नि उनके पुत्र अश्वनी कुमार भगत द्वारा दी गई, जबकि जलंधर पुलिस की टुकड़ी द्वारा गाड़ी गाई और ऑफर पेश कर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मुख्यमंत्री पंजाब भगवंत सिंह मान की ओर से डिप्टी कमिश्नर वरजीत वालिया और पुलिस कमिश्नर सतिंदर सिंह द्वारा स्वर्गीय चुनी लाल भगत की मृत देह पर फूल-मालाएँ अर्पित कर श्रद्धांजलि दी गई। इस दौरान बागबानी एवं रक्षा सेवा विभाग द्वारा भी श्रद्धांजलि अर्पित की गई। अपने राजनीतिक सफर के दौरान स्वर्गीय चुनी

लाल भगत अनेक महत्वपूर्ण पदों पर रहे। वर्ष 2011 में पंजाब विधानसभा में डिप्टी स्पीकर चुने गए और वर्ष 2012 से 2017 तक उन्होंने कैबिनेट मंत्री के तौर पर देश की सेवा की। इस अवधि में उन्होंने स्थानीय निकाय, मेडिकल शिक्षा एवं अनुसंधान, श्रम तथा वन एवं वन्य जीव विभाग के कार्यभार संभाले। उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार द्वारा निर्धारित प्रोटोकॉल के अनुसार राज्य

शोक के रूप में प्रदेश के सभी सरकारी संस्थानों में दोपहर बाद आधे दिन की छुट्टी घोषित की गई थी।

अंतिम संस्कार पर सांसद राज कुमार चन्नेवाल, मेयर वनीत धीर, अजीत प्रकाशन समूहवाले, बरेन्द्र सिंह हमदर्द, मुख्य संपादक उत्तम सिंह इरविन खन्ना, चेयरमैन पंजाब कृषि विकास बैंक पवन कुमार टिनु, चेयरमैन जिला योजना

समिति अमृतपाल सिंह, चेयरमैन मुस्लिम कल्याण बोर्ड अब्दुल बाहरी सलमानी, चेयरमैन पंजाब एग्री एक्सपोर्ट कॉर्पोरेशन लिमिटेड मंगल बस्सी डिप्टी मेयर मलकीत सिंह, ट्रेडर्स कमीशन वे सदस्य इंदरवंश चड्ढा, वाइस चेयरमैन पंजाब गंगा सेवा आयोग कीमती भगत, हलका इंचार्ज नितिन कोहली और राजवंदर कौर थियाड़ा के अलावा प्रख्यात हस्तियां मौजूद थी।

स्पीकर संधवां ने जताया गहरा दुख

पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कैबिनेट मंत्री मोहिंदर भगत के पिता और प्रसिद्ध राजनेता लाल भगत के निधन पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। असं शोक संदेश भी स्पीकर ने कहा कि चुन्नी लाल भगत के निधन से राजनीतिक क्षेत्र में एक बड़ा और कभी न पूरा होने वाला शून्य पैदा हुआ है। चुन्नी लाल भगत को अत्यंत प्रतिभाशाली, समर्पित, विनम्र, सुनवाई हुए और बाहुल्य राजनेता बताते हुए उन्होंने कहा कि वह ऐसे नेता थे, जिनसे बहोत से लोगों को बहुत कुछ सीखने को मिला। उनका जीवनभर का कार्य हमें हमेशा प्रेरणा देता रहेगा।

कैबिनेट मंत्रियों ने गहरा दुःख व्यक्त किया

कैबिनेट मंत्रियों ने अपने कैबिनेट सहयोगी मोहंनदर भागत के साथ उनके पिता, प्रधान राजनीतिज्ञ एवं पंजाब के पूर्व कैबिनेट मंत्री चूली लाल भागत के पथ पर गहरी संवेदन व्यक्त की। कैबिनेट मंत्री हरपाल सिंह चीमा, डॉ. बलबीर सिंह, हरजोत सिंह बैस, अमन ओरवा, लाल चंद कटालचक, हरभजन सिंह ई.टी.ओ., डॉ. बलजीत कौर, गुप्तीत सिंह खुड्डियां, बरिंदर कुमार गोपाल, हरदीप सिंह मुडियां और तरनजीत सिंह सौद ने दिवंगत भातो को शाशवत शांति प्रदान करने तथा परिवार को इस कशी न पूरा होने वाले नुकसान को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की।

‘भारत सिर्फ गाय और कूड़ा नहीं’, पोलिश महिला ने गिनाई देश की खूबियां

Travelling

भारत को अक्सर विदेशियों की रीलस में गंदगी, भीड़ और सड़कों पर घूमती गायों तक सीमित दिखाया जाता है। लेकिन भारत में 10 साल से रह रही पोलिश महिला ने देश की एक अलग तस्वीर दिखाई है।

• जालंधर ब्रीज . फीचर

सोशल मीडिया पर भारत की तस्वीर कई बार कुछ खास नजरों तक ही सीमित रह जाती है। गंदगी, भीड़भाड़, सड़कों पर घूमती गायें और अव्यवस्था दिखाने वाली रीलस जल्दी लोगों का ध्यान खींचती हैं। लेकिन क्या भारत सिर्फ इतना ही है? पोलैंड की रहने वाली डोमिनिका पातालास-कलरा, जो करीब 10 साल से भारत में रह रही हैं और यहां घूमती भी रही हैं, ऐसा बिल्कुल नहीं मानतीं। हाल ही में उन्होंने एक वीडियो में भारत के उन पहलुओं के बारे में बताया, जो उन्हें यहां रहते हुए खास लगे।

उनके अनुसार भारत में कई ऐसी चीजें हैं, जो सोशल मीडिया पर कम दिखाई जाती हैं।

मुकाबले काफी आसान हो गई हैं।

3. भारत के होटल भी कर सकते हैं हैरान

भारत में घूमते समय डोमिनिका को यहां के होटल भी काफी पसंद आए। उन्होंने कहा कि कई होटल इतने अच्छे हैं कि वहां रहने पर आपको बहुत खास महसूस हो सकता है। यानी भारत में सिर्फ साधारण ठहरने की जगहें ही नहीं, बल्कि शानदार और लग्जरी होटल भी मौजूद हैं।



उनका मानना है कि भारत में ऐसी कई जगहें हैं, जिन्हें देखने के बाद देश को सिर्फ पुराने विचारों के आधार पर समझना सही नहीं होगा।

सोशल मीडिया पर क्यों हुई चर्चा?

डोमिनिका की बात सोशल मीडिया पर कई भारतीयों को पसंद आई। लोगों ने उनके वीडियो पर कमेंट करके कहा कि उन्होंने भारत का खूबसूरत पक्ष दिखाया है। कुछ लोगों ने यह भी कहा कि भारत को सिर्फ वायरल रीलस देखकर समझना सही नहीं है। डोमिनिका का कहना है कि कई लोग भारत में आकर वही चीजें दिखाते हैं जो सोशल मीडिया पर जल्दी चलती हैं, जबकि देश का अनुभव इससे कहीं बड़ा है।

भारत को एक नजर से देखना सही नहीं

डोमिनिका की बात का मतलब यह नहीं है कि भारत की समस्याएं नहीं हैं। गंदगी और भीड़ जैसी परेशानियां कई जगहों पर सच हैं। लेकिन उनका कहना है कि इन चीजों के साथ-साथ भारत का आधुनिक और खूबसूरत पक्ष भी देखना चाहिए। किसी भी बड़े और विविध देश को सिर्फ कुछ वायरल वीडियो के आधार पर समझना सही नहीं होगा।



4. एक ही देश में इतने अलग नजारे

डोमिनिका ने भारत की प्राकृतिक खूबसूरती को भी खास बताया। भारत बहुत बड़ा देश है, इसलिए यहां अलग-अलग तरह की जगहें देखने को मिलती हैं। कहीं ऊंचे पहाड़ हैं, कहीं रेगिस्तान, तो कहीं समुद्र के किनारे खूबसूरत जगहें। यही विविधता भारत को घूमने के लिए खास बनाती है।

5. मेट्रो को बताया आसान और सुविधाजनक

6. हिमालय के सामने स्टेडियम ने किया हैरान

डोमिनिका ने भारत के स्टेडियमों का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि हिमालय के खूबसूरत नजारों के सामने बने स्टेडियम को देखना उनके लिए खास अनुभव था।

CLEANING TIPS

किचन की टाइल्स हो गई गंदी-चिपचिपी? पानी में 2 चीजें मिलाकर लगाएं पोछा, चमक उठेगी फर्श

किचन में खाना बनाते समय तेल और मसालों के छींटों की वजह से फर्श जल्दी गंदा और चिपचिपा हो जाता है। अगर रोज पोछा लगाने के बाद भी टाइल्स की चमक वापस नहीं आ रही है, तो पोछे के पानी में इन 2 चीजों को मिलाकर देखें।



• जालंधर ब्रीज . फीचर

किचन में दिनभर काम होता रहता है, कभी खाना बनता है तो कभी नाश्ता। ऐसे में स्लैब से तेल के छींटे और मसाले फर्श पर आकर गिरते हैं। इस गंदगी से धीरे-धीरे टाइल्स गंदी, चिपचिपी हो जाती है और फिर फर्श को साफ करने में ज्यादा मेहनत लगती है।

अगर आपको किचन की टाइल्स भी ऐसी ही हो गई है, तो उसे साफ करने में अब ज्यादा रागड़ना नहीं पड़ेगा। बस आपको पोछे के पानी में 2 चीजें मिलाकर लगाना है। हम आपको कोई क्लीनर या फिर डिटर्जेंट मिलाने के लिए नहीं कह रहे हैं बल्कि आपको किचन में रखी हुई कुछ चीजें ही पानी में मिलानी हैं। चलिए बताते हैं किचन में पोछा लगाने के लिए पानी में क्या मिक्स करना है।

1. सफेद सिरका और बेकिंग सोडा मिलाएं

आपको आधी बाल्टी पानी लेना है, अगर आप पानी गुनगुना कर सकते हैं तो परफेक्ट रहेगा। अब आपको इसमें 2-3 ढक्कन सफेद सिरका और 1-2 चम्मच बेकिंग सोडा मिलाना है। बस फिर पानी को अच्छे से घोल लें और इसमें कपड़ा डालें। फिर कपड़ा पानी में डालकर उसे निचोड़कर फर्श पर पोछा लगाएं। आपको इस पानी से ज्यादा रागड़ना नहीं पड़ेगा और टाइल्स से चिपचिपापन और गंदगी भी साफ हो जाएगी। पोछा लगाने के बाद उसे सूखने के लिए पोंछें, सोडा को किसी अन्य का समय दें, अगर उसके बाद आप केमिकल के साथ मिलाकर पोछा न चलेंगे तो पैरों के निशान पड़ जाएंगे।

नीली से सफेद तक, जानिए गैस की लौ के अलग-अलग रंगों का मतलब

रसोई में रोजाना इस्तेमाल होने वाले गैस स्टोव से निकल रही फ्लेम के रंग को अक्सर चेक करते रहना चाहिए। क्योंकि कई बार फ्लेम से निकलने वाले रंग खतरे का साइन साबित हो सकते हैं। यहां जानिए गैस की फ्लेम के अलग-अलग रंगों का...

• जालंधर ब्रीज. रसिपी

रसोई में रखे गैस स्टोव का इस्तेमाल रोजाना किया जाता है। वैसे तो स्टोव के बर्नर से निकलने वाली लौ का रंग नीला दिखाई देता है, जिससे पता लगता है कि स्टोव पूरी तरह से ठीक है और चूल्हा अच्छे से काम कर रहा है। लेकिन वहीं फ्लेम का रंग अगर लाल-नारंगी या हरा दिखने लगे तो इसे तुरंत चेक करवाएं। क्योंकि लौ का अलग रंग गैस में गड़बड़ी के बारे में बताता है। यहां हम गैस की लौ के अलग-अलग रंगों का मतलब बता रहे हैं, जो आपको जरूर पता होना चाहिए।

गैस की लौ के अलग-अलग रंगों का मतलब

नीले रंग की लौ

गैस चूल्हे से निकलने वाली नीले रंग की लौ को सबसे सामान्य और अच्छा माना जाता है। इस रंग से पता चलता है कि गैस सही मात्रा में ऑक्सीजन के साथ पूरी तरह जल रही है और सही हीट बना रही है।

पीली या नारंगी रंग की लौ

इस रंग की गैस की लौ से पता चलता है गैस पूरी तरह नहीं जल रही। इस रंग की लौ का मतलब यह हो सकता है कि गैस के साथ पर्याप्त हवा नहीं मिल रही है। इससे ज्यादा कार्बन जमा हो सकता है। ऐसा होने के पीछे बर्नर के गंदे छेद या हवा कम मिलना शामिल हो सकता है। इस लौ की वजह से बर्तन काले पड़ सकते हैं।



इस बार रसिपी नहीं...!

इस बार जिसके वगैर कोई भी रसिपी अधूरा रह जाए उसकी बात यानि आपके किचन का अहम हिस्सा, गैफ्लेम की ...

लाल रंग की लौ

कई-कभी बर्नर से लाल रंग की लौ दिखाई देती है। यह गैस लीक या बहुत ज्यादा कार्बन मोनोऑक्साइड जैसी गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है। इसे बंद करें और अपना स्टोव चेक करें। कभी-कभी धूल, नमी या हवा में मौजूद कणों के कारण भी लौ लाल रंग की दिख सकती है।

हरे रंग की लौ

हरे रंग की लौ अक्सर गैस में मौजूद केमिकल या अशुद्धियों की

वजह से होता है। यह कॉमन नहीं है। इसलिए तुरंत इसे चेक करें।

नीले सिरों के साथ नारंगी रंग

इसका मतलब बर्नर के छेद असमान होना या एलिमेंट का गंदा होना हो सकता है। सफाई करने से अच्छी लौ को ठीक करने में मदद मिल सकती है।

सफेद रंग की लौ

सफेद रंग की लौ इस बात का संकेत देती है कि गैस लाइन या बर्नर में बहुत ज्यादा एयर है। ये खतरनाक नहीं होती है।

• जालंधर ब्रीज. हेल्थ केयर

कहावत है कि जो खाए अनार वह कभी न हो बीमार! सेब-केला के फायदों के बारे में आप खूब जानते होंगे लेकिन क्या अनार के फायदों के बारे में जानते हैं। अनार को कई लोग सिर्फ इसलिए नहीं खाते हैं क्योंकि उसे छीलने में परेशानी होती है। हालांकि, अनार के दाने रसीले और मीठे होते हैं, जिन्हें खाना हर कोई पसंद करता है। रिसर्च में साबित हुआ है कि अगर आप अनार खाते तो शरीर में कई तरह की समस्याएं खत्म हो सकती हैं। न्यूट्रिशनिस्ट का भी कहना होता है कि अनार ऐसा फल है, जिसे खाने से आपके शरीर में फेट या कैलोरी नहीं बढ़ेगी। ऐसे में अनार वेट लॉस कर रहे लोग भी आसानी से खा सकते हैं। आयुर्वेदिक डॉक्टर सुभाष गोयल ने अनार खाने के फायदे और सही तरीका बताया है।

अनार में क्या-क्या पाया जाता है?

अनार में विटामिन C, विटामिन K, फोलेट, पोटैशियम और फाइबर अच्छी मात्रा में पाए जाते हैं। इसके अलावा अनार में पॉलीफेनॉल जैसे एंटीऑक्सीडेंट भी होते हैं, जो शरीर को ऑक्सीडेटिव स्ट्रेस से बचाने में मदद करते हैं। अनार के दानों में पानी और नेचुरल शुगर भी होती है, जिससे यह स्वादिष्ट होने के साथ-साथ डाइट में शामिल करने के लिए एक हेल्दी फ्रूट माना जाता है।

अनार खाने के 6 फायदे कौन से हैं?

खून की कमी को करता है पूरा : डॉक्टर्स के मुताबिक, अनार खाने से आपके शरीर में खून की कमी नहीं होगी। इसमें मौजूद फोलेट और विटामिनस एनीमिया जैसी गंभीर बीमारी को कम करने में मदद करते हैं। अगर आप रोजाना अनार खाते हैं, तो शरीर में एनर्जी बनी रहती है और खून की कमी नहीं होती।

दिल के लिए सेहत के लिए अच्छा : अनार में पॉलीफेनॉल जैसे एंटीऑक्सीडेंट पाए जाते हैं, जो दिल के

रोजाना 1 अनार खाने से शरीर पर क्या असर होता है? डॉक्टर ने गिनाए फायदे

Health

जो खाए अनार वह कभी न हो बीमार! ये कहावत इस फल के लिए बिल्कुल परफेक्ट है। इसे खाने से आपको स्वास्थ्य से जुड़े कई फायदे मिलेंगे। चलिए आपको अनार के बारे में बताते हैं।



लिए फायदेमंद होते हैं। अगर आप रोजाना अनार खाते हैं, तो आपका हार्ट हेल्दी रहेगा। रिसर्च के मुताबिक, अनार खाने से ब्लड प्रेशर कंट्रोल में रहता है और हार्ट का ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहता है।

पेट के लिए भी बढ़िया : अनार पेट के लिए भी बढ़िया फल माना जाता है और इसे पचाने में समस्या नहीं होती। अगर आपका पाचन तंत्र कमजोर है या फिर कब्ज की समस्या रहती है, तो अनार खाएं। इसमें फाइबर और पानी की मात्रा ज्यादा होती है, जो आपके पाचन को बेहतर करेगा।

इम्यूनटी को करता है सपोर्ट : इन दिनों बदलते मौसम के कारण वायरल फीवर, सर्दी-खांसी का कहर बढ़ा है और ऐसे में अनार खाना आपको इम्यूनटी के लिए सबसे

अच्छा है। अनार में विटामिन सी की मात्रा खूब होती है, जिससे इम्यूनटी मजबूत होगी और वायरल इन्फेक्शन से बचे रहेंगे।

वेट लॉस में करेगा मदद : अगर आप वजन घटा रहे हैं या फिर कंट्रोल में रखना चाहते हैं, तो अनार जरूर खाएं। अनार बिना कैलोरी वाला फल है, जो वजन कम करने में मददगार होता है। एक अनार (280 ग्राम) में लगभग 144 कैलोरी होती हैं, जिसमें 83% पानी, 3.5 ग्राम फाइबर और सिर्फ 14 ग्राम नेचुरल शुगर होती है। ऐसे में कैलोरी कम और फाइबर-पानी आपके शरीर में ज्यादा पहुंचेगा, जो पेट को लंबे समय तक भरा रखेगा।

दिमाग के लिए भी अच्छा : अनार सिर्फ दिल ही नहीं दिमाग के लिए भी अच्छा होता है। एंटीऑक्सीडेंट कंपाउंड होते हैं, जो नर्वस सिस्टम को डैमेज होने से बचाते हैं, जो याददाश्त को मजबूत करता है और दिमाग की नसों को स्वस्थ रखने में मदद करता है।

खाने का सही तरीका क्या है?

डॉक्टर सुभाष गोयल का कहना है कि अगर आपको अनार टंडा लगता है, तो उसे गुनगुने पानी में 2 मिनट तक डुबोकर रखें। फिर उसे छीलकर दाने खाएं, ऐसा करने से वह नुकसान नहीं करेगा। अनार हमेशा सुबह या फिर दोपहर में खाएं, शाम को खाने से कोई फायदा नहीं मिलेगा बल्कि सर्दी-खांसी हो सकती है। इसकी तासीर ठंडी होती है। अनार का ताजा जूस बनाकर भी पी सकते हैं।

नोट : यह खबर सामान्य जानकारीयों पर आधारित है। किसी भी तरह की विशेष जानकारी के लिए स्वास्थ्य विशेषज्ञ से उचित सलाह लें।

पंजाब के थर्मल प्लांटों को पर्याप्त कोयला, केंद्र ने कैप्टिव खदानों से आपूर्ति को दी मंजूरी

• जालंधर ब्रीज . नई दिल्ली

पंजाब के ताप विद्युत संयंत्रों में बिजली उत्पादन में कमी का कारण केंद्र से कोयले की अपर्याप्त आपूर्ति को बताने वाली मीडिया रिपोर्टें पूरी सच्चाई नहीं दर्शाती हैं। कोयला मंत्रालय स्पष्ट करता है कि पंजाब के बिजली संयंत्रों को पर्याप्त कोयला उपलब्ध कराया गया है, और कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) पंजाब राज्य सहित पूरे देश में बिजली उत्पादन के लिए निर्बाध कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए पूरी तरह से प्रतिबद्ध है।

पंजाब की कोयला आपूर्ति श्रृंखला को केंद्र सरकार का समर्थन : केंद्र सरकार ने पंजाब में कैप्टिव खदान उत्पादन शुरू होने के बाद से ही स्वतंत्र विद्युत संयंत्रों (आईपीपी) को कोयले की आवाजाही को सक्रिय रूप से सुगम बनाया है। पीएसपीसीएल को कैप्टिव पचवारा सेंट्रल कोल माइन से आईपीपी को कोयले

की आपूर्ति, झारखंड राज्य को वैधानिक भुगतान दायित्व की पूर्ति के अधीन, सक्षम की गई है।

पचवारा सेंट्रल कोल माइन से कोयले का उपयोग पीएसपीसीएल के स्वामित्व वाले न होने वाले आईपीपी द्वारा, जिनमें नाभा पावर लिमिटेड (राजपुरा) और तलवंडी साबो पावर लिमिटेड (मनसा) शामिल हैं, निर्दिष्ट अंतिम उपयोग संयंत्रों की आवश्यकताओं को पूरा करने के बाद वार्षिक उत्पादन के 50 प्रतिशत तक करने की अनुमति पहले से ही दी गई है।

कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) द्वारा पंजाब की समर्थन और पीएसपीसीएल के संयंत्रों के पीएलएफ (42 प्रतिशत) में कमी पीएसपीसीएल तीन ताप विद्युत संयंत्रों का संचालन करती है – गुरु हरगोबिंद ताप विद्युत संयंत्र (लेहारा मोहब्बत), गोइंदवाल साहिब ताप विद्युत संयंत्र और रोपड़ ताप विद्युत संयंत्र – जिनकी संयुक्त क्षमता 2,300 मेगावाट है। 04.09.2026 तक, पीएसपीसीएल के संयंत्रों में कोयले



का भंडार मानक आवश्यकता का लगभग 117 प्रतिशत था, जो पर्याप्त से अधिक कोयले की उपलब्धता को दर्शाता है। इस पर्याप्त भंडार के बावजूद, अगस्त 2026 के दौरान पीएसपीसीएल के संयंत्रों का औसत प्लांट लोड फैक्टर (पीएलएफ) केवल लगभग 42 प्रतिशत था। इसलिए,

इस महीने के दौरान कम उत्पादन का कारण संयंत्र में कोयले की अपर्याप्त उपलब्धता नहीं है।

इसके विपरीत, पंजाब स्थित आईपीपी, नाभा पावर लिमिटेड ने इसी अवधि के दौरान लगभग 93 प्रतिशत का पीएलएफ हासिल किया, जो सीआईएल स्रोतों से

पर्याप्त कोयले की आपूर्ति द्वारा समर्थित था, यह दर्शाता है कि राज्य में बिजली उत्पादन के लिए कोयले की उपलब्धता कोई बाधा नहीं रही है।

आईपीपी को सीआईएल द्वारा पहले से पेश किए गए कोयले की ढुलाई में सुधार करने की आवश्यकता है।

कोल इंडिया की सहायक कंपनियों ने पंजाब स्थित आईपीपी को सक्रिय रूप से कोयले की पेशकश की है, हालांकि बुकिंग और निकासी में विलम्ब:

सीसीएल ने 30.03.2026 को आरसीआर मोड के तहत एनपीएल और टीएसपीएल को 5 लाख टन (एलटी) कोयले की पेशकश की थी। इसमें से केवल लगभग 4.1 एलटी की बुकिंग हुई है और अब तक लगभग 3.1 एलटी की ढुलाई हो चुकी है।

बीसीसीएल ने एनपीएल को 3.5 लीटर कोयले की पेशकश की, जिसके मुकाबले अब तक केवल 1.3 लीटर कोयले की बुकिंग हुई है और 0.98 लीटर कोयला

उठाया गया है। आईपीपी द्वारा कोयले की समय पर आपूर्ति, साथ ही पीएसपीसीएल के अपने संयंत्रों में बेहतर उत्पादन प्रदर्शन, पंजाब में बिजली उत्पादन को अनुकूलित करने के लिए समान रूप से महत्वपूर्ण हैं।

कोयला मंत्रालय दोहराता है कि केंद्र सरकार ने पीएसपीसीएल की कैप्टिव खदानों से पंजाब के आईपीपी (अंतर्राष्ट्रीय बिजली आपूर्ति संयंत्र) तक कोयले की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए ठोस कदम उठाए हैं।

कोल इंडिया लिमिटेड पंजाब सहित पूरे देश में बिजली उत्पादन के लिए निर्बाध कोयले की आपूर्ति बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएसपीसीएल के अपने संयंत्रों का बेहतर उपयोग और सीआईएल की सहायक कंपनियों द्वारा पहले से उपलब्ध कराए गए कोयले की समय पर आपूर्ति से बिजली उत्पादन को अनुकूलित करने और राज्य की बिजली आवश्यकताओं को पूरा करने में सहायता मिलेगी।

शिक्षक: शिक्षा के कलाकार

• जालंधर ब्रीज . नई दिल्ली

किसी को भी पहली बार पढ़ना सीखने का सटीक दिन याद नहीं होता। लेकिन लगभग हर व्यक्ति उन शिक्षकों को जरूर याद रखता है, जिन्होंने उसे पढ़ाया होता है। भूल जाने वाले पल और कभी न भुलाए जाने वाले व्यक्ति के बीच का यही अंतर हमें शिक्षण कार्य के बारे में कुछ बेहद जरूरी बातें बता जाता है। एक शिक्षक अपने पीछे ऐसी चीजें छोड़ जाता है, जिन्हें आसानी से आंक पाना संभव नहीं होता: कोशिश करने का आत्मविश्वास, उठे रहने का अनुशासन, सवाल पूछने की ज़ािसा, या कभी-कभी मात्र यह भरोसा कि इंसान और भी बहुत कुछ कर सकता है। इसलिए, शिक्षण को एक कला से कम कुछ भी नहीं माना जा सकता।



जयंत चौधरी
(लेबर केन्द्रीय शिक्षा तथा कौशल विकास और उद्यमशीलता राज्यमंत्री हैं।)

भारत के महामहिम राष्ट्रपति द्वारा हर वर्ष प्रदान किए जाने वाले ‘राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार’ वास्तव में उन चुनिंदा लोगों के प्रति सम्मान होते हैं, जिनका योगदान दूसरों से कहीं बढ़कर रहा होता है। इन सबके अलावा, देश के हर कोने में – चाहे वह कक्षा हो या कौशल संबंधी प्रयोगशाला या पॉलिटेक्निक या खेल का मैदान या फिर संगीत कक्ष – विद्यार्थीगण धन्यवाद कहने का अपना-अपना तरीका ढूँढ ही लेते हैं। कभी हाथ से लिखी हुई एक टिप्पणी। कभी सुबह की सभा में आभार जताने का एक पल। कभी एक ऐसी खामोश सराहना जो दिन खत्म होने के काफी देर बाद तक शिक्षक के मन में बसी रहती है। ये कोई कमतर उत्सव नहीं हैं, बल्कि कई मायनों में ये सबसे सच्चे उत्सव हैं।

हालांकि, आंकड़े हमें एक और चिंताजनक कहानी बताते हैं। ओईसीडी का 2026 का ‘टीचर नॉलेज सर्वे’ किसी विषय की जानकारी होने और उस पढ़ा पाने की क्षमता के बीच के अंतर की ओर इशारा करता है। इस सर्वेक्षण के निष्कर्षों से पता चलता है कि विषय का ज्ञान हमेशा कारगर शिक्षण-पद्धति में नहीं बदलता। बात बिल्कुल सरल, लेकिन बेहद जरूरी है: किसी चीज को गहराई से जानना और किसी दूसरे व्यक्ति को उसे सीखने में मदद करना – ये दोनों अलग-अलग कौशल हैं। शिक्षण एक कला है और इसके लिए मानवीय रिश्तों एवं पढ़ाने के तरीकों की समझ के साथ-साथ

कक्षा में थोड़ी नाटकीयता की भी जरूरत होती है। यूनेस्को की ‘शिक्षकों से संबंधित वैश्विक रिपोर्ट 2024’ में इस पेशे की उपेक्षा करने की कीमत को आंकड़ों में दर्शाया गया है। दुनिया को 2030 तक 44 मिलियन अतिरिक्त प्राथमिक एवं माध्यमिक शिक्षकों की जरूरत होगी। और, इनमें से आधे से अधिक की जरूरत केवल उन शिक्षकों की जगह लेने के लिए होगी जो नौकरी छोड़ रहे हैं। वही, मैकिन्से ग्लोबल इंस्टीच्यूट का अनुमान है कि स्वचालन (ऑटोमेशन) के कारण 2030 तक दुनिया भर में 75 मिलियन से 375 मिलियन कामगारों को अपना पेशा बदलना पड़ सकता है। ऐसी परिस्थिति में, योग्य शिक्षकों की अहमियत पहले से कहीं अधिक होगी।

भारत ने इस चुनौती को समय रहते भोंप लिया है और इससे पूरी गंभीरता से निपटने की दिशा में कदम उठाए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के तहत शुरू किए गए चार-वर्षीय ‘एकीकृत शिक्षक शिक्षा कार्यक्रम’ में विषयगत निपुणता तथा शिक्षण-पद्धति को एक ही स्नातक डिग्री में शामिल किया गया है। इसका उद्देश्य सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को शिक्षण के पेशे की ओर आकर्षित करना है। सेवा में कार्यरत शिक्षकों के बीच एक जैसे मानक सुनिश्चित करने हेतु, ‘शिक्षकों के लिए राष्ट्रीय पेशेवर मानक (एनपीएसटी)’ के तहत करियर में तरक्की को मात्र वरिष्ठता के बजाय, पढ़ाने की असल गुणवत्ता से जोड़ा गया है। अलग-अलग क्षेत्रों में सीखने-सिखाने की प्रक्रिया का लाभ उठाने हेतु, ‘नेशनल मिशन फॉर मेंटरिंग (एनएमएम)’ शिक्षकों को अलग-अलग क्षेत्रों के मार्गदर्शकों (मेंटर) से सीखने के लिए व्यवस्थित सहायता प्रदान करता है। मैंने भी इस मिशन के लिए एक मेंटर के तौर पर पंजीकरण कराया है। माननीय प्रधानमंत्री हर वर्ष राष्ट्रीय पुरस्कार विजेताओं से न केवल बधाई देने के लिए, बल्कि उनकी बातें सुनने, जमीनी स्तर की उनकी कहानियां जानने और उनसे एक ऐसा दृष्टिकोण साझा करने के लिए भी मिलते हैं जो केवल अनुभवी नेतृत्व से ही प्राप्त हो सकता है। शिक्षण एक रचनात्मक काम है और अलग-अलग क्षेत्रों से सीखने-सिखाने की प्रक्रिया इस रचनात्मकता को नयापन प्रदान करती है।

संवाद से परिणाम तक : आसियान-भारत कृषि सहयोग के तीन दशकों को किसानों की समृद्धि में बदलना

• जालंधर ब्रीज . नई दिल्ली

जब भारत और आसियान के 11 सदस्य देशों के अधिकारी और मंत्री नई दिल्ली में दो दिवसीय बैठक के लिए एकत्र हुए, इस साझेदारी का वास्तविक सार किसी साझा विज्ञप्ति में नहीं, बल्कि 1992 से लगातार विकसित किए गए अनुसंधान, प्रशिक्षण और ज़मीनी स्तर के कार्यक्रमों में निहित है। नई दिल्ली में कृषि एवं वानिकी पर 9वीं आसियान-भारत मॉिंस्तर्रीय बैठक एक स्थापित प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ेगी: मंत्रियों के विचारार्थ तकनीकी सिफारिशों पर चर्चा और उन्हें अंतिम रूप देने के लिए कृषि एवं वानिकी पर 10वां आसियान-भारत कार्य समूह एक दिन पहले बैठक करेगा। हालांकि यह एक औपचारिक प्रक्रिया या 1992 में भारत-आसियान क्षेत्रीय संवाद शुरू होने के बाद से विकसित तंत्र का एक सामान्य दौर लग सकता है, लेकिन औपचारिकताओं से परे जाकर यह देखना अधिक महत्वपूर्ण है कि इस संस्थागत साझेदारी ने तीन दशकों में क्या हासिल किया है। इसलिए, यह बैठक न केवल प्रगति की समीक्षा करने का अवसर प्रदान करती है, बल्कि इस दीर्घकालिक सहयोग को पूरे क्षेत्र के किसानों की समृद्धि,

आजीविका और खाद्य प्रणालियों के लिए अधिक ठोस परिणामों में बदलने का भी अवसर देती है।

साझा कृषि वास्तविकताएं, साझा अवसर भारत और ग्यारह आसियान सदस्य देश–जिनमें अक्टूबर 2025 में शामिल हुआ नया सदस्य तिमोर-लेस्ते भी शामिल है, अपार कृषि विविधता और विकास क्षमता वाले क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं। आसियान के कृषि, वानिकी और मत्स्यपालन क्षेत्र लगभग 93 मिलियन नौकरियों को सहारा देते हैं, जबकि भारत के कृषि और संबद्ध क्षेत्र लगभग 46 प्रतिशत कार्यबल को रोज़गार प्रदान करते हैं। दोनों ही क्षेत्रों में खेत मुख्य रूप से छोटे और खंडित हैं, उत्पादन काफी हद तक मानसून पर निर्भर करता है, तथा दोनों क्षेत्रों में एक जैसी फसलें और ईकोसिस्टम सीमाओं के पार फैले हुए हैं। इनमें धान, दालें, फल और मसालों से लेकर पशुधन, मत्स्यपालन, मैंग्रोव और वन तक शामिल हैं। दोनों क्षेत्र जलवायु परिवर्तनशीलता, सीमा पार से आने वाले कीट-रोगों और कटाई के बाद होने वाले निरंतर नुक़सान के बढ़ते दबाव का भी सामना कर रहे हैं।

यह समानताएं कृषि ज्ञान और प्रौद्योगिकियों को परस्पर साझा करने के



एम. एल. जाट
(लेबर क़्रमरः सचिव, कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग (DARE) तथा महाविदेयक, ICAR और सहायक महाविदेयक (अंतर्राष्ट्रीय संबंध), नई दिल्ली हैं। अक्सर किए गए विचार व्यक्तित्व हैं।)

नवीन पी. सिंह

लिए बेहद अनुकूल बनाती हैं, जिससे 'भारत-आसियान मध्यम अवधि कार्य योजना 2026-2030' के लिए एक मजबूत आधार तैयार होता है। यह योजना आसियान की नई 'खाद्य, कृषि और वानिकी क्षेत्रीय योजना 2026-2030' और इसके छह रणनीतिक स्तंभों-स्थिरता, डीकार्बोनाइजेशन, खाद्य सुरक्षा, व्यापार कनेक्टिविटी, डिजिटल नवाचार और सतत वन प्रबंधन-के अनुरूप है।

भारत का कृषि ज्ञान और तकनीकी आधार : इस साझेदारी में भारत का योगदान दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक वित्तपोषित कृषि अनुसंधान और विस्तार

दो पीढ़ियां, एक छत: अपने बुजुर्गों से भारत का वायदा

• जालंधर ब्रीज . नई दिल्ली

वसुधैव कुटुंबकम, यानी ‘सारी दुनिया एक परिवार है’ की भावना के अनुसार, बुजुर्गों की असली शान उनकी समझ, उनका ज्ञान और उनकी बुद्धिमानी है।

हमारे हिंदुस्तानी घरों में हर किसी के दिल में बुजुर्गों से जुड़ी खूबसूरत यादें जरूर होती हैं। किसी के दादाजी ने उसे अपने बचपन से जुड़ा कोई साहसिक कानामा सुनाया होगा। किसी की दादी ने सदियों की गुनुगुनी दोपहरी में बालकनी में बैठ कर उसे स्वेटर बुनना सिखाया होगा। इन मामूली से पलों में ही किसी परिवार की असली गिरासत खामोशी से आगे बढ़ती है। कभी किसी छोटे से हुनर के ज़रिए, तो कभी किसी साझा कहानी के ज़रिए।

हम अक्सर पीढ़ियों के बीच फासले की बात करते हैं। दादा-दादी को स्मार्टफोन

समझ में नहीं आता। बच्चे हैं कि उनके पास सुनहरे बीते कल की लंबी कहानियों के लिए सब्र ही नहीं। लेकिन मुझे लगता है कि हम पीढ़ियों को जोड़ने वाले पुल की बात कम करते हैं। वह ओझल तरीके जिनके ज़रिए बुजुर्ग और नौजवान आज भी एक-दूसरे को पूरा करते हैं।

कोई पीढ़ी क्या देती है अपने बंशजों को

बच्चों का दादा-दादी से कुछ ऐसा मिलता है जो कोई भी स्कूल उन्हें नहीं दे सकता। बुजुर्गों के पास देने के लिए क्या समय है जिसका कोई मोल नहीं होता। बढ़ते शहरीकरण और माता-पिता दोनों के काम करने की वजह से बच्चे अकेले रह जाते हैं। उनका दिन आम तौर

पर सख्त टाइमटेबल में बंधा होता है। ऐसे में घर के बुजुर्ग ही बच्चों के साथ इत्मीनान से बैठने के लिए तैयार रहते हैं। उन्हें एक

ही कहानी पांचवीं दफा सुनने से कोई एतराज नहीं होता। वे जुते के तसमे बांधे जाने तक इंतजार कर सकते हैं। बच्चों को बिना किसी जल्दबाजी के दी गई ये तबज्जो उन्हें इस बात का एहसास दिलाती है कि उनकी भी अहमियत है। इसे हम शायद ही किसी पैमाने पर कभी नाप पाते हैं।

इन बच्चों के पास बुजुर्गों को बदले में देने के लिए क्या होता है? सिर्फ उनका साथ जो आते हैं। व्यापार के आंकड़े बंदरगाहों से आते हैं। इनमें से कोई भी आंकड़ा देखने में भले ही बहुत मामूली लगे लेकिन ऐसा है नहीं। पोते-पोती का मिलने आना एक बुजुर्ग के पूरे हफ्ते का मिजाज बदल

विकास के आंकड़ों की जांच-परख

• जालंधर ब्रीज . नई दिल्ली

अभिषेक आनंद, जोश फेलमन और अरविंद सुब्रमण्यन ने यह पूछा है कि जिस तिमाही में ऊर्जा के क्षेत्र में जोरदार झटके लगे हों, उसमें भारत की विकास दर आखिर 7.8 प्रतिशत कैसे हो सकती है। बेशक, यह एक उचित सवाल है। इसका एक जवाब भी है और वह जवाब पिछले कुछ वर्षों से सबके सामने ही है।

समय से ही शुरुआत करते हैं। इस तिमाही की अवधि अप्रैल से जून 2026 तक थी। इससे ठीक पहले इरान और संयुक्त राज्य अमेरिका एवं इज़राइल के बीच का संघर्ष चरम पर पहुंच गया था। तेल की कीमतों में जोरदार उछाल आया और भारत ने इसका असर महसूस किया। हालांकि मार्च और अप्रैल के शुरुआती दिनों में इस जबरदस्त व्यवधान में कमी आई। मई आते-आते दबाव के बदल छंट गए। जून तक, मुश्किल दौर बीत चुका था। तीन महीने वाली तिमाही की शुरुआत के कुछ मुश्किल हफ्ते उस तिमाही के आंकड़ों को मंगगढ़त नहीं बना देते।

उन महीनों के सबूत एक ही दिशा की ओर इशारा करते हैं। ऑटोमोबाइल की बिक्री में निरंतर बढ़ोतरी हुई। एक प्रतिस्पर्धी मुद्रा की मदद से बैंक ऋण और निर्यात में बढ़ोतरी हुई। जीएसटी की दरों में कटौती के बावजूद, इसका संग्रह मजबूत बना रहा और हाल ही समाप्त हुए वित्तीय वर्ष में इसमें 8.3 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई। 2025-26 तक के तीन वर्षों में, जीएसटी के सकल संग्रह में 32 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि ‘नॉमिनल जीडीपी’ में 31.9

प्रतिशत की वृद्धि हुई। ये दोनों आंकड़े बिल्कुल अलग-अलग क्षेत्रों से आए हैं और दोनों ही लगभग एक-दूसरे से मेल खाते हैं। जीएसटी रिटर्न कंपनियां दाखिल करती हैं। ऋण संबंधी आंकड़े बैंकों से आते हैं। व्यापार के आंकड़े बंदरगाहों से आते हैं। इनमें से कोई भी आंकड़ा



डॉ. सोरभ गर्ग
(लेबर क़्रमरः सचिव, सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय, वी. अनंत नागेश्वरन, भारत सरकार के मुख्य आर्थिक सलाहकार)

डॉ. वी. अनंत नागेश्वरन

सांख्यिकी मंत्रालय द्वारा तैयार नहीं किया जाता है।

अर्थव्यवस्था आखिर टिकी क्यों रही? क्योंकि कई सुधारों को एक साथ अपनाया गया। वर्ष 2022-23 के बाद से केन्द्र सरकार का पूंजीगत व्यय 65 प्रतिशत बढ़ा है और इस वर्ष इसमें 11.5 प्रतिशत और बढ़ोतरी का बजट रखा गया है। एक दशक में बनाई गई सड़कें, बंदरगाहें और बिजली संयंत्र तेल के महंगे होने पर ठप्प नहीं पड़े। डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे ने अनौपचारिक गतिविधियों के एक बड़े हिस्से को औपचारिक बनाया और उन्हें मापी जा सकने वाली अर्थव्यवस्था में शामिल किया है। दिवाला संहिता ने ढूबे हुए कर्ज (बैड डेट) से निपटने के

देता है। कॉलेज गए पोते का वीडियो कॉल, पोती का अपनी दादी को यह बताना कि वह उनकी हाथ के खाने को कितना याद करती है या परपोते का बस उनकी गोद में चढ़ जाना – ये पल किसी बुजुर्ग के लिए वह काम करते हैं जो कोई दवा नहीं कर सकती। ‘एजिंग एट होम’ यानी अपने घर में बुढ़ापा गुज़ारने के पीछे यही सोच है। बुजुर्ग किसी आश्रम में नहीं, बल्कि खुद के घर में, अपने उस परिवार और पड़ोस के बीच सबसे ज्यादा खुश और सेहतमंद रहते हैं जिसे उन्होंने हमेशा जाना और प्यार किया है। यह हमारे लिए कोई नई बात नहीं है। भारत के ज़्यादातर हिस्सों में, बड़ों के पैर छूकर आशीर्वाद लेना उन पहली सीखों में से एक है जो बच्चा सीखता है। यह एक छोटा सा कार्य वह सबक देता है जो कोई उपदेश नहीं सिखा सकता कि उम्र का सम्मान किया जाना चाहिए।

करनाल में एनएच-44 पर एनएचएआई ने शुरु किया व्यापक अतिक्रमण विरोधी अभियान



• जालंधर ब्रीज . करनाल

सड़क सुरक्षा को मजबूत करने और निर्बाध राजमार्ग संचालन सुनिश्चित करने के एक निर्णायक कदम के तहत, एनएचएआई क्षेत्रीय कार्यालय, चंडीगढ़ के अधीन परियोजना क्रियान्वयन इकाई (पीआईयू)-अंबाला ने ऑपरेशन एंड मटेनेंस (ओएंडएम) व्यवस्था के तहत रखरखाव किए जाने वाले पानीपत-ख़ाा कॉरिडोर पर करनाल में एनएच-44 के किनारे एक व्यापक अतिक्रमण विरोधी अभियान चलाया।

इस अभियान का उद्देश्य राष्ट्रीय राजमार्ग को सुरक्षित, सुलभ और बाधाओं से मुक्त रखना था, जिसके तहत राजमार्ग



के राइट-ऑफ-वे (मार्ग के अधिकार क्षेत्र) के भीतर अनधिकृत संरचनाओं, सड़क किनारे के अवरोधों और अतिक्रमणों को निशाना बनाया गया।

यह कार्रवाई राजमार्ग की भूमि की सुरक्षा करने, यातायात की आवाजाही में सुधार लाने और यह सुनिश्चित करने के एनएचएआई के निरंतर प्रयासों का हिस्सा है कि नियमित रखरखाव, आपातकालीन प्रतिक्रिया और अन्य राजमार्ग संचालन बिना किसी रुकावट के किए जा सकें।

एनएच-44 एक महत्वपूर्ण राष्ट्रीय परिवहन गलियारा है, जिस पर भारी यात्री और वाणिज्यिक यातायात होता है। अतिक्रमण न केवल राजमार्ग की भूमि के प्रभावी उपयोग को सीमित करते हैं,

अमृतसर में दो एके-47 राइफलें और 50 गुलज़ार सिंह का जबरन अंतिम संस्कार करवाने जिंदा कारतूसों सहित तीन गिरफ्तार

बरामद अवैध हथियार पंजाब के आपराधिक तत्वों को सप्लाई किए जाने थे : सीपी गिल

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़/अमृतसर

अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने अवैध हथियारों की सप्लाई करने वाले एक नेटवर्क का पर्दाफाश करते हुए दो ए.के.-47 राइफलें, तीन मैगजीन और 50 जिंदा कारतूसों सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डी.जी.पी.) गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान गुरमुख सिंह (27) निवासी गांव चाटीविड़, अमृतसर देहात, पारसदीप सिंह (26) निवासी भाई मंज रोड, अमृतसर और गुरजंट सिंह (24) निवासी गांव जोड़ सिंह वाला, तरनतारन के रूप में हुई है।

डी.जी.पी. गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि आरोपी विदेश में बैठे एक हथियार तस्कर के संपर्क में थे और आपराधिक तत्वों को अवैध हथियारों की सप्लाई करने में शामिल थे। डी.जी.पी. ने कहा कि इस



मामले में अन्य व्यक्तियों की पहचान करने, विदेशी तस्करी के लिंक की पुष्टि करने और अवैध हथियारों के व्यापक नेटवर्क का पर्दाफाश करने के लिए आगे की जांच जारी है। पुलिस कमिश्नर (सी.पी.) अमृतसर हरमनबीर सिंह गिल ने बताया कि खुफिया सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने दो संदिग्ध व्यक्तियों, गुरमुख सिंह और पारसदीप सिंह को दो ए.के.-47 राइफलें, तीन मैगजीन और 50 जिंदा कारतूसों सहित गिरफ्तार किया है। सी.पी.

ने बताया कि आगे की जांच के दौरान गिरफ्तार आरोपियों ने खुलासा किया कि ये अवैध हथियार गुरजंट सिंह के माध्यम से हासिल किए गए थे। उनके खुलासे के आधार पर गुरजंट सिंह को मामले में नामजद करके पुलिस ने उसे भी गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में थाना छेहरटा, अमृतसर में भारतीय न्याय संहिता (बी. एन.एस.) की धाराओं 111 और 113 तथा शस्त्र अधिनियम की धाराओं 25(6,7,8) के तहत दिनांक 05.09.2026 को एफ.आई. आर. नंबर 205 दर्ज की गई है।

पीईसी ने पेटेंट खोज और ड्राफ्टिंग पर व्याख्यान आयोजित किए



• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

पंजाब इंजीनियरिंग कॉलेज (डीम्ड टू बी यूनिवर्सिटी), चंडीगढ़ ने सोनेट हॉल में स्नातकोत्तर (पीजी) और पीएचडी विद्यार्थियों के लिए बौद्धिक संपदा अधिकार (आईपीआर) विषय पर व्याख्यानों की एक श्रृंखला का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन डीन, प्रायोजित अनुसंधान एवं औद्योगिक परामर्श (एसआरआईसी) कार्यालय द्वारा किया गया। कार्यक्रम में प्रो. उमेश शर्मा, डीन, एसआरआईसी तथा प्रो. संदीप कुमार, एसोसिएट डीन, एसआरआईसी (आईपीआर)

का सहयोग रहा। इन व्याख्यानों का संचालन संगीता नागर, वरिष्ठ वैज्ञानिक, एसएस राणा एंड कंपनी, नई दिल्ली तथा श्रीमती सोनू राठौर, मुख्य तकनीकी अधिकारी द्वारा किया गया। सत्रों में पेटेंट खोज, पेटेंट योग्यता एवं नवीनता का आकलन, तथा विश्वविद्यालयों और अनुसंधान एवं विकास संस्थानों के लिए पेटेंट ड्राफ्टिंग की मूलभूत जानकारी जैसे विषयों पर चर्चा की गई। इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को अपने अनुसंधान एवं नवाचारों के संरक्षण तथा उन्हें बौद्धिक संपदा में परिवर्तित करने के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की।

वोट की राजनीति दूसरी जगहों पर हो सकती है, पंजाब में नहीं : बलतेज पन्नु

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

संगरूर तूर बंजारा गांव के लोगों ने आज गांव पहुंचे भाजपा नेताओं को भगा दिया और भाजपा को साफ संदेश दिया कि उनके लिए गांव में कोई जगह नहीं है। इस घटनाक्रम पर तीखी प्रतिक्रिया देते हुए पंजाब आप के राज्य महासचिव और मीडिया इंचार्ज बलतेज पन्नु ने कहा कि पंजाब में जाति कार्ड खेलने की भाजपा की कोशिश को एक बार फिर जनता ने नकार दिया है। उन्होंने कहा कि पंजाब कभी भी भाजपा को हरियाणा में खेली गई जाट-नॉन-जाट राजनीति को यहां कभी नहीं दोहराने देगा।

संगरूर के तूर बंजारा गांव में भाजपा नेताओं के दौरे पर बोलते हुए बलतेज पन्नु ने कहा कि लोगों का यह जवाज भाजपा के लिए साफ संदेश है कि पंजाब में बांटने वाली राजनीति के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा, "पंजाब की धरती उपजाऊ है, लेकिन यहां धर्म, जाति और नफरत की फसलें नहीं उगतीं। तूर बंजारा

से पहले लोगों ने कांग्रेस को भी यही संदेश दिया था और आज उन्होंने भाजपा को भी भगा दिया है।"

बलतेज पन्नु ने कहा कि भाजपा पंजाब में भी वैसी ही जाति-आधारित चुनावी राजनीति लाने की कोशिश कर रही है जैसी उसने हरियाणा में खेली थी। उन्होंने कहा कि पंजाब के लोगों ने हमेशा राजनीतिक फायदे के लिए कम्युनिटी को बांटने की कोशिशों को नकारा है। उन्होंने कहा, "जब हरियाणा में चुनाव हुए थे, तो उन्होंने जाट-गैर-जाट का खेल खेला था। अब वे पंजाब में भी वही खेल खेलना चाहते हैं। लेकिन ऐसा खेल पंजाब में कभी नहीं खेला गया और न ही भविष्य में कभी खेला जाएगा।"

बलतेज पन्नु ने कहा कि राजनीतिक पार्टियों को यह समझना चाहिए कि पंजाब को जाति के आधार पर वोट बैंक में नहीं बांटा जा सकता। उन्होंने कहा, "दूसरे राज्यों में जाति के आधार पर बांटकर वोट मांगे जा सकते हैं, लेकिन पंजाब में नहीं। पंजाब के लोग किसी को भी राजनीतिक फायदे के लिए जाति या धर्म के नाम पर समाज को बांटने की इजाजत नहीं देगे।"

हर्षित राणा एशियन गेम्स और अफगानिस्तान टी20 सीरीज से बाहर, यश ठाकुर को मौका

स्पोर्ट्स डेस्क. भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने गुरुवार को पुष्टि की है हर्षित राणा अफगानिस्तान के खिलाफ होने वाली तीन टी20 सीरीज़ और एशियन गेम्स से बाहर हो गए हैं। तेज़ गेंदबाज़ के बारे में भारतीय बोर्ड ने बताया कि वह बेंगलुरु में अंतर ऑफ़ एक्ससीलेस (सीआई) में संपने रिहैब के दौरान अच्छी प्रोग्रेस कर रहे थे। हालांकि, 7 सितंबर को एक मैच सिमुलेशन के दौरान बॉलिंग करते समय उन्हें 'रेक्टस फेमोरिस स्ट्रेन' (जांच की मांसपेशी में खिंचाव) हो गया और इसके बाद उन्हें आने वाले मैचों से बाहर कर दिया गया। पुरुष चयन समिति ने गुरुवार को हर्षित की जगह यश ठाकुर को टीम में शामिल किया। विदर्भ के लिए खेलने वाले 27 साल के इस तेज़ गेंदबाज़ ने



फोटो-बीसीसीआई

हाल ही में भारत के ज़िम्बाब्वे दौरे पर अपना टी20आई डेब्यू किया था और दो मैचों में चार विकेट लिए थे। उन्होंने 50 सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी मैच खेले हैं और 7.04 की शानदार इकॉनमी रेट

वज़ कोर ने असल उत्तर के ऐतिहासिक युद्ध के वीरों को किया नमन



• जालंधर ब्रीज. जालंधर

वज़ कोर ने असल उत्तर के युद्ध (8-10 सितंबर 1965) की स्मृति में उन वीर भारतीय सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की, जिन्होंने 1965 के भारत-पाक युद्ध के इस निर्णायक संग्राम में अदम्य साहस, कुशल रणनीति और दृढ़ संकल्प के परिचय देते हुए पाकिस्तान के शक्तिशाली बख़्तरबंद आक्रमण को निर्णायक रूप से परास्त किया।

यह ऐतिहासिक युद्ध खेमकरण सेक्टर के असल उत्तर क्षेत्र में लड़ा गया, जहां

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष अमरिंदर सिंह राजा वडिंग ने गुरुवार को भगवंत मान सरकार द्वारा



गुलज़ार सिंह के शव का कथित रूप से जबरन अंतिम संस्कार करवाए जाने की कड़ी निंदा की। गुलज़ार सिंह ने राज्य के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा द्वारा कथित तौर पर अपमानित किए जाने के बाद आत्महत्या कर ली थी। वडिंग ने इस पूरे घटनाक्रम को "आपराधिक रूप से संवेदनहीन" और "बेहद अहंकारी एवं असंवेदनशील" करार दिया। वडिंग ने कहा कि राज्य सरकार ने गुलज़ार सिंह के परिवार की इच्छा के विरुद्ध अंतिम संस्कार करवाकर उनके दुख और पीड़ा को और बढ़ा दिया। चीमा और मुख्यमंत्री भगवंत मान दोनों पर निशाना

साधते हुए वडिंग ने कहा, "जले पर नमक छिड़कने जैसा। आपराधिक रूप से संवेदनहीन और बेहद असंवेदनशील।"

पंजाब कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि गुलज़ार सिंह को आत्महत्या करने के लिए मजबूर करने वाली परिस्थितियों के लिए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा जिम्मेदार थे। उन्होंने मुख्यमंत्री भगवंत मान पर गुलज़ार सिंह के शव का जबरन अंतिम संस्कार करवाने का आरोप लगाते हुए कहा कि शोक की इस घड़ी में परिवार को और अधिक अपमान का सामना करना पड़ा।

वडिंग ने आरोप लगाया, "पहले आप के मंत्री हरपाल सिंह चीमा गुलज़ार सिंह की आत्महत्या के कारण बने। अब मुख्यमंत्री भगवंत मान परिवार की इच्छा के विरुद्ध गुलज़ार सिंह का जबरन अंतिम संस्कार करवाकर परिवार को अपमानित करने के लिए जिम्मेदार हैं।"

पंजाब सरकार ने खेलों के विकास व खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर उपक्रम किए : पवन कुमार टीनू



आदमपुर/भोगपुर

(जालंधर ब्रीज). पंजाब सरकार द्वारा प्रदेश में खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए करवाई जा रही 'खेड़ा' वतन पंजाब दीया-2026' के तहत पंजाब राज्य सहकारी कृषि विकास बैंक के चेयरमैन पवन कुमार टीनू ने आज आदमपुर और भोगपुर में ब्लॉक स्तरीय खेल मुकाबलों की शुरुआत करवाई गई।

चेयरमैन पवन कुमार टीनू ने कहा कि मुख्यमंत्री श्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार द्वारा खेलों के विकास और खेल बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए बड़े स्तर पर उपक्रम किए जा रहे हैं। जहां पंजाब भर में 3000 से अधिक आधुनिक खेल मैदान

मंत्री चीमा को तुरंत गिरफ्तार किया जाए : प्रताप बाजवा

चंडीगढ़ (जालंधर ब्रीज). पंजाब कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और पंजाब विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष प्रताप सिंह बाजवा ने आज दिग्बा के गुलज़ार सिंह के परिवार द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के मददेनज़र



पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा की तत्काल गिरफ्तारी और उन्हें मॉत्रिमंडल से बर्खास्त करने की मांग की। बाजवा ने कहा कि गुलज़ार सिंह के परिवार का आरोप है कि उनके अंतिम संस्कार को उनकी सहमति के बिना और भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जबरन करवाया गया। परिवार ने न्याय मिलने तक गुलज़ार

सिंह का भोग न करने का भी ऐलान किया है। बाजवा ने कहा, 'गुलज़ार सिंह के परिवार द्वारा लगाए गए आरोप बेहद चिंताजनक हैं। जिस परिवार ने अपना प्रियजन खोया, वह अब यह आरोप लगा रहा है कि उसके अपने सदस्य का अंतिम संस्कार भी उनकी इच्छा के विरुद्ध किया गया। अगर सरकार के पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो इतनी भारी पुलिस तैनाती की आवश्यकता क्यों पड़ी और परिवार की कथित सहमति को क्यों नजरअंदाज किया गया?' बाजवा ने कहा कि पंजाब सरकार कानून को व्यक्ति की राजनीतिक हैसियत देखकर अलग-अलग तरीके से लागू नहीं कर सकती।

पंजाब के युवाओं के लिए पीएम तक सीधा रास्ता: विकसित भारत क्विज़ 30 तक खुला



• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

माय भारत पंजाब ने आज प्रदेश के युवाओं से अपील की कि वे mybharat.gov.in पर पंजीकरण कराकर विकसित भारत क्विज़ में भाग लें। यह विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग (वीबीवाईएलडी) 2027 का पहला चरण है और इसमें 30 सितम्बर 2026 तक भाग लिया जा सकता है। प्रेस क्लब, चंडीगढ़ में मीडिया को संबोधित करते हुए सुश्री रश्मीत कौर, राज्य निदेशक (प्रभारी), माय भारत पंजाब ने कहा कि यह क्विज़ पोंच चरणों की पूर्णतः योग्यता-आधारित प्रक्रिया का प्रवेश द्वार है, जिसकी परिणति जनवरी

2027 में नई दिल्ली में माननीय प्रधानमंत्री जी के समक्ष चर्यानि युवाओं की प्रस्तुति के रूप में होगी। वीबीवाईएलडी 2027 का आयोजन युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जा रहा है तथा माय भारत इसकी कार्यकारी एजेंसी है। 1995 से आयोजित हो रहे राष्ट्रीय युवा महोत्सव को 2025 में विकसित भारत @2047 के संकल्प के अनुरूप पुनर्गठित कर विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग का स्वरूप दिया गया। पिछले संस्करण में देशभर से 50 लाख से अधिक युवाओं ने क्विज़ में भाग लिया और लगभग 3,000 युवाओं का चयन राष्ट्रीय संवाद के लिए हुआ।

हर योग्य खिलाड़ी को खेल मैदानों से जोड़ने के लिए पूरी सक्रियता से काम किया जाए : डिष्टी कमिश्नर

युवाओ सहित हर उम्र के खिलाड़ियों को खेलों में भाग लेने का दिया गया आह्वान

• जालंधर ब्रीज. जालंधर

डिष्टी कमिश्नर वरजीत वालिया ने जिले में चल रहे 'खेड़ा' वतन पंजाब दीया-2026' के प्रबंधों और रजिस्ट्रेशन का जायजा लेते हुए अधिकारियों को हिदायत दी कि खेलों संबंधी जानकारी गांव और वार्ड स्तर तक पहुंचाकर हर योग्य खिलाड़ी को खेल मैदानों से जोड़ने के लिए पूरी सक्रियता से काम किया जाए। यहां जिला प्रशासकीय कॉम्प्लेक्स में अतिरिक्त डिष्टी कमिश्नर (ग्रामीण विकास) दिव्या पी. सहित खेल विभाग के अधिकारियों और जिले की विभिन्न खेल एसोसिएशनों के साथ मीटिंग के दौरान डिष्टी कमिश्नर ने बताया कि इन खेलों के तहत अंडर-14 से 70 साल से अधिक उम्र तक 9 आयु वर्गों में खेल मुकाबले करवाए जा रहे हैं। इन खेलों में 38 खेल और 4 पैरा-स्पोर्ट्स शामिल हैं, जबकि टैनिस बॉल क्रिकेट को प्रदर्शन खेल के रूप में शामिल किया गया है। वालिया ने अधिकारियों को कहा कि पंचायतों, यूथ क्लबों,



स्पोर्ट्स क्लबों और खेल एसोसिएशनों के साथ तालमेल करके उन प्रतिभाशाली खिलाड़ियों तक पहुंच की जाए, जो अभी तक रजिस्टर नहीं हुए हैं। उन्होंने मीटिंग में शामिल जिले की विभिन्न खेल एसोसिएशनों को अपने से जुड़े खिलाड़ियों को इन खेलों के बारे में जागरूक करने और भाग लेने के लिए प्रोत्साहित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि इन मुकाबलों में भाग लेने के लिए विभाग के पोर्टल <https://sports.punjab.gov.in/login> पर रजिस्ट्रेशन किया जा सकता है। इसके अलावा खेलों के दौरान मौके पर भी रजिस्ट्रेशन करवाया जा सकता है। अधिक जानकारी के लिए जिला खेल अधिकारी के दफ्तर में 97815-21456 पर संपर्क किया जा सकता है।

दलित परिवार के दुख पर भाजपा की राजनीति को गांववासियों ने नकारा : मनीष सिसोदिया

गांववासियों ने भाजपा को दिखाया आड़ना, केवल सिंह दिल्ली को गांव में घुसने से रोका

• जालंधर ब्रीज. चंडीगढ़

संगरूर के तूर बंजारा में गुलज़ार सिंह की मौत पर पहुंचे भाजपा नेताओं की गांववासियों ने भगा दिया। इस दौरान ग्रामीणों ने पंजाब भाजपा के नेता केवल सिंह दिल्ली का घेराव किया और उनके खिलाफ जोरदार नारेबाजी की। इस पर आम आदमी पार्टी (आप) के वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस घटना ने राजनीतिक लाभ लेने के लिए एक गरीब दलित परिवार के दर्द का शोषण करने की भाजपा की कोशिश को बेनकाब कर दिया है। आप के वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने एक्स पर लिखा: "भाजपा ने पंजाब में एक गरीब दलित परिवार के दर्द पर राजनीति

मनीष सिसोदिया ने कहा कि इस घटना ने राजनीतिक लाभ लेने के लिए एक गरीब दलित परिवार के दर्द का शोषण करने की भाजपा की कोशिश को बेनकाब कर दिया है। आप के वरिष्ठ नेता और पंजाब प्रभारी मनीष सिसोदिया ने एक्स पर लिखा: "भाजपा ने पंजाब में एक गरीब दलित परिवार के दर्द पर राजनीति

करने की कोशिश की, लेकिन ग्रामीणों ने उन्हें आड़ना दिखा दिया। जब भाजपा नेता केवल सिंह दिल्ली अपनी झूठी राजनीतिक रोटियां बेचने के लिए गांव पहुंचे, तो ग्रामीणों ने उनका शेरख किया, 'केवल सिंह दिल्ली मुर्दाबाद' के नारे लगाए और उन्हें गांव में घुसने तक नहीं दिया।" पंजाब के कैबिनेट मंत्री और 'आप' के वरिष्ठ नेता डॉ. बलबीर सिंह ने कहा कि भाजपा नेता गुलज़ार सिंह के निधन के बाद शोकाकुल परिवार के दुख का सम्मान किए बिना ही गांव पहुंच गए। डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, "गुलज़ार सिंह की मौत के दुख में डूबे परिवार की पीड़ा की परवाह किए बिना, भाजपा नेता उनकी लाश पर राजनीति करने के लिए गांव पहुंच गए। पंजाब के लोगों ने उन्हें तुरंत वापस मोड़ दिया और उनकी अवसरवादी राजनीति का पर्दाफाश किया।"

डॉ. बलबीर सिंह ने कहा, "केवल दिल्ली, अश्वनी शर्मा, सुनील जाखड़ और मनप्रीत बादल को याद रखना चाहिए कि पंजाब की धरती पर लोग मौत को भी राजनीतिक तमाशा बनाने वालों को कभी माफ नहीं करते।"